भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2315

सोमवार, 3 अगस्त, 2026/12 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भारत की पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता, डिजिटलीकरण और वैश्विक स्तर पर प्रचार

2315. श्री आलोक शर्मा:
श्रीमती संजना जाटव:
श्री दिनेशभाई मकवाणा:
डॉ. विनोद कुमार बिंद:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री बिद्युत बरन महतो:
डॉ. मन्ना लाल रावत:
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:
श्री लुम्बाराम चौधरी:
श्री पी. सी. मोहन:
श्री मनीष जायसवाल:
श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी:
श्री अनूप संजय धोत्रे:
श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
श्री महेंद्र सिंह सोलंकी:
डॉ. निशिकान्त दुबे:
श्रीमती कमलेश जांगड़े:
श्री सुरेश कुमार कश्यप:
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:
श्री कंवर सिंह तंवर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) डिजिटल प्लेटफार्मों, गंतव्य ब्रांडिंग और अंतर्राष्ट्रीय विपणन अभियानों के माध्यम से भारत के पर्यटन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और इसके अंतर्गत मध्य प्रदेश में विशेषकर देवास-शाजापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र और हिमाचल प्रदेश में विशेषकर शिमला लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के किन गंतव्यों को शामिल किया गया है;

(ख) क्या एक एकीकृत मंच के माध्यम से पर्यटक सेवाओं, गंतव्य जानकारी, बुकिंग और शिकायत निवारण को एकीकृत करने के लिए कोई डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया गया है और यदि हां, तो तटीय पर्यटन विकास हेतु महाराष्ट्र के पालघर तथा हिमाचल प्रदेश में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके अंतर्गत पंजीकृत गंतव्य, उपयोगकर्ता और सेवाएं क्या हैं:

(ग) क्या सरकार ने देशभर में वेडिंग टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, क्रूज टूरिज्म, तटीय पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन सहित विशिष्ट पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए कोई रणनीति तैयार की है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेषकर मध्य प्रदेश और राजस्थान के भरतपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र हेतु ब्यौरा क्या है और हिमाचल प्रदेश में जिला-वार विशेषकर शिमला लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृत परियोजनाओं, वित्तीय सहायता, पर्यटकों की संख्या और रोजगार सृजन का ब्यौरा क्या है;

(ङ) विगत तीन वर्षों के दौरान अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन, औसत पर्यटक व्यय और सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन के योगदान एवं आर्थिक वृद्धि में सुधार के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और उक्त पहलों का, विशेषकर मध्य प्रदेश और जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र और पालघर सहित महाराष्ट्र में तटीय पर्यटन विकास के संबंध में प्रभाव का मूल्यांकन क्या है;

(च) क्या सरकार का जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पर्यटन अवसंरचना और डिजिटल रूप से एकीकृत पर्यटक गंतव्यों को बढ़ावा देने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या सरकार का देवास-शाजापुर में पर्यटन स्थलों और विरासत गंतव्यों के विकास के लिए वित्तीय या अवसंरचना संबंधी सहायता प्रदान करने का विचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (छ): पर्यटन मंत्रालय भारत के पर्यटन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रचार पहलों के माध्यम से देश भर के पर्यटन स्थलों और अनुभव क्षेत्रों, जिनमें मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के पर्यटन स्थल भी शामिल हैं, का प्रचार-प्रसार करता है। इन पहलों में अंतरराष्ट्रीय यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी, रोडशो, एकीकृत विपणन अभियान तथा डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंच बनाना शामिल है।

मंत्रालय ने देश भर में अपने पार्टनर प्लेटफॉर्मों के माध्यम से उड़ानों, होटलों, कैब, बसों और एएसआई स्मारक के टिकटों की बुकिंग सेवाओं को एक साथ जोड़ते हुए गंतव्य की जानकारी,

बहुभाषी सामग्री और सुव्यवस्थित यात्रा कार्यक्रम उपलब्ध कराने वाले एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म (आईआईडीपी) तैयार किया है।

मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण होमस्टे, एमआईसीई पर्यटन, साहसिक पर्यटन, चिकित्सा एवं आरोग्य पर्यटन तथा पारिस्थितिकीय पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीतियाँ तैयार की हैं और उनके कार्यान्वयन हेतु उन्हें सभी राज्य सरकारों तथा संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को प्रसारित किया है। मंत्रालय अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रचार पहलों के माध्यम से विवाह, आरोग्य, क्रूज़, तटीय, ग्रामीण और आध्यात्मिक पर्यटन सहित विशिष्ट पर्यटन क्षेत्रों का भी संवर्धन करता है।

पर्यटन स्थलों की पहचान कर उनका विकास करने की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की है। मंत्रालय स्वदेश दर्शन, स्वदेश दर्शन 2.0, चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) और एसएएससीआई योजनाओं के अंतर्गत योजना दिशानिर्देशों के अधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके इन प्रयासों को संपूरित करता है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन, पर्यटक संबंधी व्यय, पर्यटन के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान और रोजगार के संबंध में निर्वाचन क्षेत्र-वार डेटा नहीं रखता है।

*****

अनुबंध

श्री आलोक शर्मा, श्रीमती संजना जाटव, श्री दिनेशभाई मकवाणा, डॉ. विनोद कुमार बिंद, श्री दिलीप शइकीया, श्री बिद्युत बरन महतो, डॉ. मन्ना लाल रावत, श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी, श्री लुम्बाराम चौधरी, श्री पी. सी. मोहन, श्री मनीष जायसवाल, श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, श्री अनूप संजय धोत्रे, श्रीमती स्मिता उदय वाघ, श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, डॉ. निशिकान्त दुबे, श्रीमती कमलेश जांगड़े, श्री सुरेश कुमार कश्यप, डॉ. हेमंत विष्णु सवरा और श्री कंवर सिंह तंवर द्वारा भारत की पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता, डिजिटलीकरण और वैश्विक स्तर पर प्रचार के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2315 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय द्वारा अपनी विभिन्न अवसंरचना योजनाओं के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

हिमाचल प्रदेश

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**योजना**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	हिमालय परिपथ का एकीकृत विकास: कियारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा (मार्च 2017)	स्वदेश दर्शन 1.0	68.34
2.	मां चिंतपूर्णी देवी मंदिर, ऊना का विकास (जुलाई 2025)	स्वदेश दर्शन 2.0	56.26
3.	संस्कृति एवं विरासत के अंतर्गत काज़ा में पर्यटन अवसंरचना का विकास (मार्च 2025)	सीबीडीडी	24.82
4.	वाइब्रेंट विलेजेज़ कार्यक्रम के अंतर्गत रक्छम, छितकुल में पर्यटन अवसंरचना का विकास (मार्च 2025)	सीबीडीडी	4.96
		कुल स्वीकृत राशि	**154.38**

मध्य प्रदेश

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**योजना**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-दुबरी- बांधवगढ़-कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास (दिसंबर 2015)	स्वदेश दर्शन 1.0	92.10

2.	सांची - सतना - रीवा - मंदसौर - धार का विकास (जुलाई 2016)	स्वदेश दर्शन 1.0	74.02
3.	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास(सितंबर 2016)	स्वदेश दर्शन 1.0	89.82
4.	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास (सितंबर 2017)	स्वदेश दर्शन 1.0	93.76
5.	चित्रकूट में आध्यात्मिक अनुभव (मार्च 2024)	स्वदेश दर्शन 2.0	27.22
6.	फूलबाग अनुभव क्षेत्र (फरवरी 2024)	स्वदेश दर्शन 2.0	16.74
7.	पीताम्बरा पीठ, दतिया का विकास (जुलाई 2025)	स्वदेश दर्शन 2.0	44.24
8.	ओरछा - एक मध्यकालीन वैभव 2.0 (मार्च 2025)	सीबीडीडी	25.00
9.	मांडू - एक मध्यकालीन आश्चर्य (जनवरी 2026)	सीबीडीडी	24.88
10.	अमरकंटक का विकास (जनवरी 2021)	प्रशाद	49.99
11.	ओंकारेश्वर का विकास (जून 2017; संशोधित दिसंबर 2022)	प्रशाद	43.93
12.	एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (नवंबर 2024)	एसएएससीआई	99.38
13.	ओरछा - एक मध्यकालीन वैभव (नवंबर 2024)	एसएएससीआई	99.92
		कुल स्वीकृत राशि	**781.00**

महाराष्ट्र

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**योजना**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभव का विकास (मार्च 2016)	स्वदेश दर्शन 1.0	19.06
2.	वाकी - अदासा - धापेवाड़ा - पारदसिंघा - तेलनखंडी - गिराड का विकास (मई 2018)	स्वदेश दर्शन 1.0	45.47
3.	शिवसृष्टि ऐतिहासिक थीम पार्क - फेज़ 3, पुणे (सितंबर 2025)	स्वदेश दर्शन 2.0	75.47
4.	अहमदनगर किले का विकास (मार्च 2025)	सीबीडीडी	25.00

5.	त्र्यंबकेश्वर, नासिक का विकास (जनवरी 2018; संशोधित फरवरी 2025)	प्रशाद	45.41
6.	राम-कल पथ, नासिक (नवंबर 2024)	एसएएससीआई	99.14
7.	पूर्व-आईएनएस गुलदार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन, सिंधुदुर्ग (नवंबर 2024)	एसएएससीआई	46.91
		कुल स्वीकृत राशि	**356.46**

राजस्थान

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**योजना**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	जयपुर जिले में सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास (सितंबर 2015)	स्वदेश दर्शन 1.0	50.01
2.	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास (सितंबर 2016)	स्वदेश दर्शन 1.0	75.80
3.	आध्यात्मिक सर्किट का विकास: चूरू (सालासर बालाजी)-जयपुर- विराटनगर - भरतपुर - धौलपुर - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (मार्च 2017)	स्वदेश दर्शन 1.0	87.05
4.	विरासत परिपथ का विकास: राजसमंद - जयपुर - झालावाड़ - चित्तौड़गढ़ - जैसलमेर - हनुमानगढ़ - उदयपुर - धौलपुर - नागौर - टोंक (जून 2017)	स्वदेश दर्शन 1.0	70.61
5.	आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन (फरवरी 2024, संशोधित जून 2025)	स्वदेश दर्शन 2.0	21.65
6.	श्री खाटू श्याम जी मंदिर, सीकर में विकास कार्य (मार्च 2025)	स्वदेश दर्शन 2.0	87.87
7.	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य (जुलाई 2025)	स्वदेश दर्शन 2.0	22.58
8.	मालासेरी का विकास डूंगरी, भीलवाड़ा जिला (जुलाई 2025)	स्वदेश दर्शन 2.0	48.73
9.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास (अक्टूबर 2015)	प्रशाद	32.64
10.	नाहरगढ़ और आसपास के क्षेत्र का विकास (नवंबर 2024)	एसएएससीआई	49.31
11.	जल महल का विकास (नवंबर 2024)	एसएएससीआई	96.61
		कुल स्वीकृत राशि	**642.86**

*****